

व्यक्तियों, आंकड़ों इत्यादि के विशाल समूह में से विशिष्ट नियमानुसार या यादृच्छिक रूप से कुछ का चयन करने की प्रक्रिया।

प्रतिचयन अभिनति पुं. (तत्.) अर्थ.सा. प्रतिचयन करते समय मानसिक रूप से किसी विशिष्ट विचारधारा से प्रभावित हो जाना।

प्रतिचयन त्रुटि स्त्री. (तत्.) प्रतिचयन में संगृहीत नमूनों की त्रुटि या कमी।

प्रतिचयापचय पुं. (तत्.) [प्रतिचय+अपचय] आयु. ग्रहण किए गए भोजन को रस-रक्त-मज्जा आदि में परिवर्तित करने वाली प्रक्रिया 'चयापचय' में बाधा उत्पन्न करने की प्रक्रिया।

प्रतिचिंतन पुं. (तत्.) किसी विषय को बार बार सोचना या चिंतन करना जिससे नए विचार एवं संभावनाएँ उत्पन्न हों।

प्रतिचित्र पुं. (तत्.) [प्रति+चित्र] किसी पद्धति या प्रणाली को दिखलाने वाला चित्र।

प्रतिचित्रण पुं. (तत्.) 1. दे. प्रतिचित्र 2. दे. प्रतिकृति 3. समा. भूतकाल में घटित, वर्तमान में हो रही या भविष्य में होने वाली संभावित घटनाओं का स्थूल चित्र प्रस्तुत करना।

प्रतिच्छबि स्त्री. (तत्.) [प्रति+छबि] ऐसा चित्र या बिंब जिसे देखकर यह भ्रम हो जाए कि यह मूल है या उसका चित्र, हूबहू आकृति, प्रतिबिंब 2. मूल व्यक्ति, भावना इत्यादि प्रस्तुत न होने पर भी उसकी उपस्थिति का आभास करने वाली भावना।

प्रतिच्छाया पुं. (तत्.) दे. प्रतिच्छवि।

प्रतिच्छेद पुं. (तत्.) गणि. दो या अधिक ज्यामितीय आकृतियों का एक दूसरे के ऊपर आ जाना जिससे रेखाएँ एक दूसरे को काटती हुई प्रतीत हों उदा. रेखा, त्रिभुज या वृत्त का परिच्छेद वि. (तत्.) गणि. किसी रेखा को काटने वाली (दूसरी रेखा)।

प्रतिच्छेदन पुं. (तत्.) प्रतिच्छेदन की क्रिया या भाव।

प्रतिच्छेद बिंदु पुं. (तत्.) गणि. आकृति का वह बिंदु जिसपर दूसरी आकृति की रेखा काटती हो।

प्रतिजन पुं. (तत्.) आयु. प्रतिपिंडों के निर्माण में उत्प्रेरक का कार्य करने वाले पदार्थ जैसे-परागकणों में उपस्थित प्रोटीन।

प्रतिजल्पता स्त्री. (तत्.) [प्रतिजल्प+ता] मनो. एक मनोरोग जिसमें रोगी दूसरों की कही हुई बात को दुहराता है।

प्रतिजिह्वा स्त्री. (तत्.) मांस या पेशियों का एक टुकड़ा, जो मुँह के भीतरी भाग में गले की ओर (मृदुतालु) से जीभ की ओर लटकता हुआ (घंटी की तरह) दिखता है, अलिजिह्व, घंटी, कौआ।

प्रतिजीवन/प्रतिजीविता पुं. (तत्.) आयु. सूक्ष्म जीवाणुओं का वह गुण जो अन्य सूक्ष्म जीवाणुओं को नष्ट करने या नियंत्रित करने में उपयोगी होता है।

प्रतिजीवी पुं. (तत्.) आयु. सूक्ष्म जीवाणुओं से प्राप्त औषधियाँ जो जीवाणु और कवकों (फफूँदी) के संक्रमण से उत्पन्न रोगों का नियंत्रण करती हैं जैसे- पेनसिलिन। Antibiotic

प्रतिजैविक वि. (तत्.) आयु. सूक्ष्म जीवाणुओं द्वारा उत्पन्न रासायनिक पदार्थ या उनके गुण जिनसे निर्मित औषधियाँ अन्य हानिकर जीवाणुओं को नियंत्रित करती हैं।

प्रतिजैविकी पुं. (तत्.) प्राणि. प्राणि विज्ञान की वह शाखा जिसमें सूक्ष्म जीवाणुओं उनसे उत्पन्न रोगों तथा उनकी रोकथाम का अध्ययन किया जाता है।

प्रतिज्ञप्ति स्त्री. (तत्.) 1. भाषा. कोई वाक्य या विचार जो विचारार्थ प्रस्तुत किया जाता है, तर्कवाक्य 2. गणि. कोई गणितीय वाक्य या समीकरण जिसे सिद्ध या असिद्ध करने का प्रयत्न किया जाता है, प्रमेय।

प्रतिज्ञा स्त्री. (तत्.) 1. किसी कार्य को करने या न करने संबंधी मन की दृढ़ भावना, संकल्प, वचन, वायदा 2. (न्याय) न्यास में वाक्य-सिद्धि के पाँच अवयवों में से पहला, जिसे सिद्ध करने का प्रयत्न होता है।